डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 182 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 18 अप्रेल 2025 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

निराश और नाराज हो रहे किसान...

लागत दूर, माल तक नहीं बिक रहा

मंदसौर, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। प्याज के दाम एक बार फिर किसानों को रुला रहे हैं। किसानों को प्याज का दाम तीन से नौ रुपए किलो तक मंडी में मिल रहा है। जबकि, प्याज की आवक पांच हजार बोरी से ज्यादा बनी हुई है। किसानों का कहना है कि दो से चार रुपए किलो प्याज की कीमत मिल रही है। इसके अलावा छोटे प्याज बताकर कई किसानों के प्याज कोई लेने को तैयार नहीं है। जबकि, इस प्याज को उगाने के लिए किसानों ने रुपया भी खर्च किया है और ठंड में मेहनत भी की है।

किसानों को लागत मूल्य निकालना तो दूर की बात है आना जाने का भाडा ही नहीं निकल रहा। इसको लेकर किसानों में खासी निराशा नजर आ रही है। गुरुवार को मंडी में इसको लेकर किसानों ने अपना आक्रोश भी व्यक्त किया। किसानों ने नारेबाजी की।

आधा दर्जन नशे की गिरफ्त में दशुपर..!

गांजे से लेकर एमडी तक की तस्करी बढ़ी, मुख्य आरोपियों तक नहीं पहुंच पा रही पुलिस

मंदसौर, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले में कुछ समय पहले तक डोडाचूरा या अफीम ही पकड़ी जाती थी। इसके अलावा स्मेक, हेरोईन जैसे नशे की बात करें तो गरदुल्लों के पास से छोटी मोटी पुड़िया जब्त होती थी। लेकिन, समय के साथ मंदसौर जिला एमडी जैसे खतरनाक नशे की गिरफ्त में भी आ चुका है। इसका प्रमाण है पुलिस की कार्रवाई। साल 2023-24के छह माह और 2024-25 के छह माह का रिकॉर्ड देखे तो गांजे और एमडी सहित करीब छह प्रकार के नशे को बड़ी मात्रा में जब्त किया गया है। इधर नशे के मुख्य सौदागरों तक पुलिस नहीं पहुंच पा रही है। यही कारण है कि तस्करी के मामलों में आरोपियों की संख्या तो पिछले कुछ सालों में बढ़ रही है। लेकिन, माल की मात्रा कम होने का नाम नहीं ले रही।

पिछले सात माह में तगड़ी कार्रवाई...

नशे पर नकेल कसने के मामले में पिछले 07 माह बेहद अहम रहे हैं। इस दौरान एनडीपीएस एक्ट में कुल 83 एफआईआर दर्ज की गई। खास बात ये है कि बीते साल की तुलना में लगभग 2 गुना अपराधी मंदसौर पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। मंदसौर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद बताते हैं कि जांच में अपराधियों के नेटवर्क खंगाले तो लिंक से लिंक जुड़ी। गिरफ्तार आरोपियों की तादाद सितंबर-23 से मार्च 24 के बीच जहां 135 थी, वहींसितंबर-24 से मार्च 2025 में 246 तक पहुंच गई। इसमें साइबर टीम का भी अहम रोल रहा। इस अवधि में 3.786 किलो एमडीएम, 2.191 किलो स्मैक, 7 हजार 498 किलो डोडाचूरा, 140 किलो गांजा पकडा भी पकडा गया। जो बीते साल से अधिक है। है। जिले में अफीम तुलाई का काम अंतिम चरण में है। यह ही वो समय रहता है जब मादक पदार्थ तस्करी के मामले भी अधिक आते हैं।

नशा करने वालों की संख्या भी बढ़ी...

आंकड़े बताते हैं कि नशा करने वालों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। तस्करी में अमूमन अफीम और डोडाचूरा पकड़ा जाता है। जिसका सीधे उपयोग नशे के रूप में नहीं किया जा सकता। जबकि, एमडी और गरीब गरदुल्लों का नशा गांजा ऐसे मादक पदार्थ है, जिसको नशा खरीदने के बाद सीधे उपयोग किया जाता है। इन दोनों ही पदार्थो की जब्ती की बात करें तो पिछले साल के छह माह और इस साल के छह माह में जब्ती कहीं ज्यादा मात्रा में की गई है।

गांजे के एक भी बड़े सौदागर तक नहीं पहुंच पाए...

अफीम, डोडाचूरा, एमडी जैसे मादक पदार्थो में तो निश्चित रूप से शोएब लाला जैसे बड़े तस्करों का नाम आता है। जिनको बड़ी- बड़ी जांच एजेंसियों को भी पकड़ने में पसीना आ रहा है। लेकिन, गांजे का नशा युवा पीड़ी को निगल रहा है। गांजे को गत वर्ष की तुलना में अधिक मात्रा में जब्त किया गया है। लेकिन, कोई भी बडा सप्लायर गांजे का पुलिस के हत्थे नहीं चढा है। जबकि गांजे के धुएं के छल्ले के बीच नशेड़ी मदमस्त होकर घूम रहे हैं। पुराने कई इलाकों में आसानी से गांजा उपलब्ध हो जाता है।

नशा-कार्रवाई	सितंबर-23 से मार्च-24	सितंबर 24 से मार्च 25
एफआईआर	92	83
आरोपी	135	246
गांजा	19.4	140
डोडाचूरा	4893.57	7498.781
स्मैक	1.046	2.191
एमडीएमए	0.405	3.786
एसिटिक एनहाइड्राइड	007	4.98
अफीम	48.806	17.422

कागजों तक सीमित नियम, कायदे और योजना...

सब्जी विक्रेताओं के हवाले मुख्य मार्ग..!

व्यस्त मार्ग पर सब्जी मंडी, हर पंद्रह मिनट में जाम

मंदसौर, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। शहर में नियम कायदे और योजना बैठकों से बाहर नहीं निकलते है। यही कारण है कि कलेक्टर, एसपी और जनप्रतिनिधियों के यातायात व्यवस्था सुधारने के प्रयास सिर्फ निर्देशों तक ही समिति हो रहे हैं। कहीं न कहीं अधिकारियों की लापरवाही के कारण निर्देश अमल में नहीं आ रहे। परिणाम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

मामला गोल चौराहा क्षेत्र स्थित मुख्य मार्ग पर लगने वाली सब्जी मंडी का है। निर्देशों के विपरीत शहर के गोल चौराहा क्षेत्र में सड़क पर सब्जी मंडी सज रही है। हालात ये हैं कि सुबह के समय भी हर 15 मिनट में जाम की स्थिति बन रही है। यहीं नहीं सड़क पर सब्जी बेचने की होड़ में आए दिन विवाद भी हो रहे हैं। दो माह पहले सब्जी दुकान के स्थान को लेकर 2 पक्षों में मारपीट हो गई थी। इस दौरान लाठियां भी चली थीं। शहर कोतवाली पुलिस ने मामले में 6 लोगों पर केस दर्ज किया था। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने का दावा करने वाले प्रशासन व नगर पालिका यहां कार्रवाई तो दूर समस्या देखने तक नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि यातायात सुगम करने के उद्देश्य से तत्कालीन कलेक्टर गौतमसिंह ने सड़क सुरक्षा उपसमिति की बैठक में गोल चौराहा से दुकानों को अन्य जगह स्थापित करने के निर्देश दिए थे। इस बीच नपा ने सब्जी विक्रेताओं को अंदर सब्जी मंडी परिसर में भी स्थापित किया। लेकिन, अनदेखी के कारण गोल चौराहा पर सब्जी मंडी फिर से सड़क पर सजने लगी है। कलेक्टर के रहते तो नगरपालिका के अधिकारी कर्मचारियों ने थोड़ी सख्ती दिखाई। लेकिन, कलेक्टर के जाते ही स्थिति वापिस जस की तस हो गई।

मोदी और मोहन 20 को आ सकते हैं गांधीसागर

मंदसौर/ नीमच, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री मोहन यादव इसी हफ्ते 20 अप्रैल को मंदसौर के गांधीसागर अभ्यारण्य में चीता प्रोजेक्ट के तहत होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही नीमच जिले के मनासा ओर जावद के आयोजन में भाग लेंगे। गांधीसागर अभ्यारण्य को विशाल सेंचुरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसको लेकर गांधीसागर अभ्यारण्य में तरह तरह के प्रोजेक्ट लाए जा रहे है। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश में चीतों की संख्या बढ़ाने और उनकी प्रजाति को विकसित करने को लेकर प्रयास जारी है।

यह केंद्र सरकार का भी मुख्य प्रोजेक्ट है।जिसके तहत देश में चीतों की संख्या बढ़ाने को लेकर हर तरह के प्रयास किए जा रहे है। हमारे प्रदेश के लिए सौभाग्य की बात है कि सबसे पहले इस प्रोजेक्ट के लिए मप्र के ही कूनो अभ्यारण्य को चुना गया और वहां आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था के बाद चीते छोडे गए और उस दिशा में मध्य प्रदेश को सफलता भी मिली है। जिसमें चीतों की संख्या में इजाफा हुआ है। इससे यह साबित हुआ है कि यहां का वातावरण इनके अनुकूल है।

चीतों का दूसरा घर बनेगा गांधीसागर अभ्यारण्य...

इसी को देखते हुए अगली कडी में मंदसौर जिले के गांधी सागर को चुना गया है। हालांकि, इसकी तैयारी काफी समय पहले से ही की जा रही थी। आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था के बाद चीतों को यहां बसाने के लिए उनके भोजन आहार के लिए चीतल और अन्य जानवर छोडे गए हैं। ताकि उनके भोजन आहार के लिए उचित व्यवस्था हो सके। यह व्यवस्था पहले की जा चुकी है और अब अंतिम चरण में 20 अप्रैल को चीतों को छोडा जाएगा।मध्यप्रदेश में गांधीसागर चीतों के दूसरे घर के रूप में जल्द ही आकार लेगा। इससे पहले कूनो अभ्यारण्य को इसके लिए चुना गया था। सूत्रों से जानकारी मिली है कि कार्यक्रम की तारीख तो तय हो चुकी है पर भोपाल से विस्तृत कार्यक्रम और उसकी रूपरेखा आना बाकी है। इस आयोजन में मुख्यमंत्री और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा और कौन-कौन शामिल होंगे, उसकी भी जानकारी आना बाकी है। वैसे इस आयोजन में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के भी शामिल होने की संभावना हैं।

संपदा 2.0 भी निकल रहा फिसड्डी

मंदसौर, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। संपदा 2.0 लागू होने के बाद भी रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुक करने की परेशानी दूर नहीं हो पा रही है। रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुक करने में एक से डेढ़ घंटे का समय लग रहा है। जिससे क्रेता और विक्रेता दोनों परेशान हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार ने संपदा 2.0 लागू होने के बाद रजिस्ट्री की व्यवस्था में सुधार का दावा किया था। अब कहा जाने लगा है कि संपदा 2.0 भी फिसड्डी ही साबित हो रहा है।

बुधवार-गुरुवार को भी यही स्थिति रही और दिनभर में कई बार सर्वर डाउन हुआ। रजिस्ट्री करने में एक से डेढ घंटे का वक्त लगा और लोग परेशान होते रहे। ये स्थिति तब है जब पिछले महीने इस समस्या को लेकर प्रदेश... शेष पेज 4 पर

एक साल में देश से खत्म हो जाएगा नक्सलवाद-शाह

सीआरपीएफ दिवस परेड में शामिल हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

नीमच, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर मध्य प्रदेश के नीमच आए। श्री शाह नीमच में स्थित सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने यहां सबसे पहले राइजिंग-डे परेड की सलामी ली। साथ ही परेड का निरीक्षण भी किया। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सांसद सुधीर गुप्ता सहित नीमच जिले के तीनों विधायक उनकेसाथ कार्यक्रम में मौजूद रहे। अपने संबोधन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बडा दावा करते हुए कहा कि, आने वाली 31 मार्च 26 तक देशभर से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। उन्होंने सीआरपीएफ की सराहना करते हुए कहा कि, ये सब इन्हीं के कारण संभव होगा। श्री शाह ने ये भी कहा कि, सीआरपीएफ की ही वजह से आज देश में नक्सलवाद सिर्फ चार जिलों तक सीमित होकर रह गया है। सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भी कोबरा बटालियन का गठन किया जाएगा।

समारोह में सीआरपीएफ की 8 टुकड़ियों द्वारा परेड की गई। इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने वीरता पदकों के लिए चयनित सीआरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया। कोबरा, आरएएफ और डॉग स्क्वॉड जैसी इकाइयों ने विशेष प्रस्तुति दी। 'शहीद स्थल' पर गृहमंत्री शाह ने बल के वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि, अमित शाह ने शहीद जवानों के परिवारों, परेड कमांडरों और जवानों के साथ संवाद भी किया। समारोह में सीआरपीएफ का देश की रक्षा के लिए अद्भुत बलिदान दिखाया गया।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में सीआरपीएफ की अहम भूमिका...

गृहमंत्री शाह ने कहा कि धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव में सीआरपीएफ की वजह से बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हुए हैं। वहां एक भी बूथ नहीं लूटा गया और न ही कहीं एक भी गोली चली। ये सब भी सीआरपीएफ के निष्पक्ष सेवा के चलते संभव रहा है।

नापाक इरादे नाकाम करने में अहम भूमिका...

श्री शाह के अनुसार कश्मीर की वादियों में नापाक इरादे रखकर अशांति फैलाने वाले आतंकियों से लड़ना हो, चाहे पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने के लिए तैनात होना हो, या पशुपति से तिरुपति तक लाल आतंक फ़ैलाने का हौसला रखने वाले नक्सलियों को चार जिलों में समेटकर रखना हो, इन सभी में सीआरपीएफ के जवानों का बड़ा योगदान है।

बीजेपी नेताओं- कार्यकर्ताओं के मन में दबी रह गई शाह-मोहन का सानिध्य पाने की आस..!

नीमच, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। सीआरपीएफ स्थापना दिवस समारोह के कार्यक्रम में भाग लेने नीमच आए देश के गृहमंत्री अमित शाह लगभग 13 घंटों से भी ज्यादा समय नीमच में रहे। इसी कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भी शिरकत की और उन्होंने भी लगभग इतना ही समय गृहमंत्री अमित शाह के साथ नीमच में बिताया। मगर अपने नेताओं का सानिध्य पाने, उनका स्वागत सत्कार करने की आस नीमच के भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं के मन में दबी की दबी ही रह गई। स्थानीय जनप्रतिनिधी चाहते तो बडी सहजता से दोनों शीर्ष नेताओ के इस लंबे प्रवास को राजनीतिक, प्रशासनिक व जनहित के लिहाज से भुना सकते थे। मगर इस मामले में राजस्थान के निम्बाहेडा के विधायक श्री चंद कृपलानी महफ़िल ही लूट ले गए।

कपिल चौहान

निम्बाहेडा में तयशुदा कार्यक्रम के बगैर खुले में कार्यकर्ताओं से मिले शाह...

दरअसल नीमच प्रवास पर आ रहे गृहमंत्री अमित शाह का ना तो निम्बाहेडा का कोई कार्यक्रम तय था ना ही वहां कोई सभा थी। मगर निम्बाहेडा के विधायक श्रीचंद कृपलानी ने नीमच आ रहे केन्द्रीय गृहमंत्री के काफिले को ना सिर्फ बीच चौराहे पर रुकवाया बल्कि बाकायदा अमित शाह गाडी से उतरे और उन्हें कार्यकर्ताओं से मिलवाया। यहां अमित शाह को मेवाडी पगडी भी पहनाई गई। भले ही पाँच मिनट मगर कार्यकर्ताओं के बीच उतरे अमित शाह से रूबरू मिलने का अवसर निम्बाहेडा के कार्यकर्ताओं को मिला। यहां विधायक श्रीचंद कृपलानी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जमकर अमित शाह जिन्दाबाद, नरेंद्र मोदी जिन्दाबाद के नारे लगाए, उत्साह से पुष्पवर्षा की और उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। किसी तयशुदा कार्यक्रम के बगैर विधायक श्रीचंद कृपलानी के प्रयासों से अमित शाह से मिलकर कार्यकर्ता उत्साह से भर गए और उनसे यह छोटी सी मुलाकात निम्बाहेडा भाजपा कार्यक्रताओं के लिए यादगार बन गई।

नीमच में शाह: ना जनता के हिस्से आए न कार्यकर्ताओं के..

वहीं दूसरी और नीमच में लगभग 13 घंटे बिताने के बाद भी अमित शाह ना जनता के हिस्से आए ना ही कार्यकर्ताओं को उनके दीदार हुए। नीमच के आम शहरी सिर्फ अमित शाह के काफिले के शोर और प्रोटोकॉल की बंदिशों के जरिए अमित शाह की उपस्थिती को महसूस करते रहे। पहली बार नीमच में किसी शीर्ष नेता का इतना लंबा प्रवास बना था। मगर चूंकि कार्यक्रम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का था तो शहर में घुसते ही अमित शाह सीआरपीएफ के पहरे में हो गए। आम जनता और कार्यकर्ता तो ठीक अमित शाह के ऑफिसर्स मेस पर आने के बाद कई बड़े अधिकारियों और नेताओं तक को परिसर से बाहर कर दिया गया।

मोहन के मोह से भी अछूती रही जनता, नेताओं तक ने जताया रोष..

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी शहर में उतना ही समय गुजारा मगर शहर की जनता और कार्यकर्ताओ के साथ उनका परस्पर वह संवाद नहीं हो पाया जैसा इतने समय में संभव हो सकता था। और तो और नीमच हवाई पट्टी पर मुख्यमंत्री मोहन यादव के आने से पहले उनके स्वागत में नाम शामिल ना होने की वजह से भाजपा नेताओं में भारी आक्रोश देखा गया। स्वागत की कतार में शामिल ना किए जाने को लेकर विधायक दिलीप सिंह परिहार व भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल की भाजपा नेता संतोष चोपड़ा, महेंद्र भटनागर व अन्य से तनातनी हो गई। संतोष चोपड़ा ने विधायक दिलीप सिंह परिहार से नाराजगी जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हों या विधायक सब हम बनाते हैं, उसके बावजूद हमें स्वागत से दूर रखा जा रहा है, यह हमारे लिए अपमानजनक है।

लब्बोलुआब यह है कि सुरक्षा, प्रोटोकॉल, भागमभाग और बंदिशों के बीच सीआरपीएफ को दिए गए समय के बावजूद पर्याप्त समय था की दोनों नेताओं की उपस्थिती में यह नीमच दौरा प्रशासनिक और राजनीतिक दृष्टि से अवसरों और सौगातों के रूप में यादगार हो सकता था। यदि स्थानीय विधायकों व सांसदों ने सहजता से पहल व प्रयास किए होते तो।

आधा किलो एमडी के साथ बाइक सवार गिरफ्तार

मंदसौर, 17 अप्रैल गुरु एक्सप्रेस। पुलिस की नारकोटिक्स विंग ने राजमार्ग स्थित मुल्तानपुरा फंटा से बाइक सवार को आधा किलो से ज्यादा एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है।

नारकोटिक्स विंग पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर मुल्तानपुरा फंटा पर दबीश दी गई। इस दौरान एक बाइक सवार को रोककर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम जियाउद्दीन पिता मोहम्मद हबीब निवास थाना नईआवादी जिला मंदसौर बताया। तलाशी लेने पर अपाचे बाइक सवार जियाउद्दीन के पास 514 ग्राम एमडी मिली। मादक पदार्थ की कीमत 25 लाख 70000 रुपए बताइ गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है।

विचार-मंथन

पश्चिम बंगाल में हिंसा का जिम्मेदार कौन?

हर चुनाव के वक्त बन जाती है ऐसी स्थिति पश्चिम बंगाल में अक्सर कानून व्यवस्था के मसले सियासी बयानबाजियों में उलझा दिए जाते हैं, जिसका नतीजा होता है कि न तो प्रशासन उनसे कोई सबक लेता है और न उसकी जवाबदेही पर आमजन के सवालों के जवाब मिल पाते हैं। मुर्शिदाबाद में भड़की सांप्रदायिक हिंसा का हश्र भी वही होता नजर आ रहा है। इस मसले पर विपक्षी भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने में जुट गई हैं। वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में वहां आंदोलन शुरू हुआ और बीते शुक्रवार को इसने अचानक हिंसक रुख अख्तियार कर लिया। उसमें तीन लोग मारे गए और कई लोगों के घायल होने की सूचना है। घरों-दुकानों और पुलिस वाहनों में तोड़-फोड़ तथा आगजनी की गई। जब स्थिति पर काबू पाना मुश्किल हो गया तो सीमा सुरक्षा बल को बुलाया गया। फिर भी हालात बेकाबू रहे तो बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात कर दी गईं। स्थिति इस कदर खौफनाक हो गई कि सैकड़ों लोग अपना घर-बार छोड़ कर निकटवर्ती जिले में सुरक्षित जगहों पर पलायन कर गए। भाजपा का आरोप है कि यह हिंसा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान की वजह से भड़की। वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि हिंसा करने वाले लोग बाहर से लाए गए थे। हालांकि फिलहाल स्थिति सामान्य होती बताई जा रही है। प्रशासन का दावा है कि हिंसा करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोगों को इस सिलसिले में गिरफ्तार भी किया जा चुका है। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि क्या पश्चिम बंगाल सरकार और प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि मुर्शिदाबाद और उसके आसपास के इलाकों में ऐसी स्थिति बन सकती है। खुद मुख्यमंत्री ने ऐलान किया था कि वे पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं होने देंगी। उन्हें इसके विरोध में उभरने वाले आंदोलन की भी पूरी जानकारी थी। फिर, उन्हें यह अंदाजा कैसे नहीं था कि इसमें दो समुदायों के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। अगर वे कह रही हैं कि हिंसा करने वाले बाहर से लाए गए थे, तो हैरानी की बात है कि इसकी जानकारी वहां के खुफिया तंत्र को कैसे नहीं मिल सकी। इतनी बड़ी संख्या में लोग वहां बाहर से पहुंच गए और कैसे सुरक्षाबलों को इसकी भनक नहीं मिल पाई। इस तर्क के आधार पर सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। अनेक मौकों पर, सियासी आवेश में, दो राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को परस्पर भिड़ते देखा गया है। हर चुनाव के वक्त वहां ऐसी स्थिति बन जाती है, सामान्य आंदोलनों के समय भी इसकी आशंका बनी रहती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा कुछ इस कदर घुल-मिल गई है कि हर राजनीतिक दल मौका मिलते ही अपने कार्यकर्ताओं को जोर-आजमाइश के लिए ललकारता देखा जाता है। यह भी छिपी बात नहीं है कि वहां उपद्रवी तत्वों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। हर सत्तारूढ़ दल परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से अपने कार्यकर्ताओं को लाभ पहुंचाने और कानूनी शिकंजे से दूर रखने का भरोसा देता नजर आता है। वक्फ संशोधन कानून के पक्ष और विपक्ष में किस कदर राजनीतिक रस्साकशी का माहौल है, वह किसी से छिपा नहीं है। फिर पश्चिम बंगाल सरकार ऐसी किसी स्थिति से बेखबर कैसे थी और उसने हिंसा रोकने की पहले से तैयारी क्यों नहीं की थी!

मोदी का नया मंत्र: देरी विकास का दुश्मन...

उमेश चतुर्वेदी

अमेरिकी लेखक जय एम फिनमैन की अमेरिकी बीमा कंपनियों के कामकाज को लेकर कुछ साल पहले एक पुस्तक आई थी, डिले, डिनाय, डिफेंड...अंग्रेजी के इन तीन शब्दों का अर्थ है टालना, इनकार करना और बचाव करना। इस पुस्तक में फिनमैन ने साबित किया है कि किस तरह बीमा कंपनियां दावों को टालती हैं, देने से इनकार करती हैं और फिर अपने फैसले का बचाव करती हैं। नौकरशाही से जिनका पल्ला पड़ता रहता है, उन्हें भी पता है कि नौकरशाही किस तरह फैसलों को टालती है, उनके हिसाब से योजना नहीं हुई तो उससे आगे बढ़ाने से इनकार कर देती है और आखिर में उस योजना का पलीता ही लगा देती है। इस देर और इनकार की कीमत आखिरकार जनता को चुकानी पड़ती है। अव्वल तो तय समय पर लोगों को सहूलियतें मिल ही नहीं पातीं। लेकिन जब किसी वजह से परियोजना पर काम चलता भी है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, उसकी लागत खर्च बढ़ चुकी होती है। आखिरकार इसकी कीमत देश को ही चुकानी पड़ती है। लंबे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहते प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र की इस खामी को समझा था। सबसे पहले इस कमजोरी पर काबू पाने की उन्होंने गुजरात में कोशिश की और देश की कमान संभालने के बाद उन्होंने तंत्र से इस खामी को दूर करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री का यह कहना कि देरी विकास का दुश्मन है और हमारी सरकार इस दुश्मन को हराने के लिए प्रतिबद्ध है, उनकी इसी सोच को जाहिर करता है। बीते दिनों एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं में देरी को देश के विकास की बड़ा रोड़ा बताया है। अपने संबोधन में उन्होंने स्वीकार किया परियोजनाओं में देरी से प्रगति बाधित होती है, जबकि तात्कालिक कार्रवाई से विकास को बढ़ावा मिलता है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में असम के बोगीबील पुल परियोजन का उदाहरण दिया, जिसकी आधारशिला 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने रखी थी, बाद में सत्ता संभालते ही अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका काम शुरू कराया। लेकिन बाद की सरकारों के दौरान पता नहीं किन वजहों से इस परियोजना का काम रोक दिया गया। जिसकी वजह से अरुणाचल प्रदेश और असम के लाखों लोगों को परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस योजना पर दोबारा काम मोदी सरकार के आने के बाद शुरू हुआ और चार साल में यह पुल बनकर तैयार हुआ और 2018 इसे जनता के लिए खोला गया। अगर इसी हिसाब से देखें तो यह काम 2001 या अधिक से अधिक 2002 में पूरा किया जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सत्ताएं बदलते ही कई योजनाएं रोक दी जाती हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान को देखते हुए उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। केरल की कोल्लम बाईपास सड़क परियोजना को इसके उदाहरण के रूप में रखा जा सकता है। यह योजना 1972 में शुरू होनी थी, लेकिन नहीं हुई।

तकरीबन पचास साल तक यह योजना लटकी रही। यह बात और है कि इस काम को मोदी सरकार ने ही पूरा किया। प्रधानमंत्री मोदी जब भी कोई नया काम शुरू करते हैं या देश के सामने कोई लक्ष्य रखते हैं, तो वे नया नारा भी गढ़ते हैं। 'देरी विकास का दुश्मन है' इस कड़ी में नया नारा है। देश में ऐसी कई परियोजनाएं मिल जाएंगी, जिन्हें तय वक्त तक पूरा नहीं किया जा सका। पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ने के लिए घाघरा नदी पर मांझी में एक पुल है। प्रसिद्ध कवि केदारनाथ सिंह ने इस पुल को केंद्र मे रखकर कविता ही रच डाली है। इस पुल का शिलान्यास जनता पार्टी के शासनकाल के राज्य मंत्री चांद राम ने शुरू किया और दशकों तक इसका काम नहीं हो पाया। अरसे बाद यह पुल बनकर तैयार हो पाया। परियोजनाओं में देरी की ऐसी ढेरों कहानियां पूरे देश में फैली हुई हैं। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना का भी इसी संदर्भ में उल्लेख किया है। देश की आर्थिक राजधानी के लिए बेहतर और सुगम हवाई सेवा की जरूरत से किसे इनकार हो सकता है। लेकिन नवी मुंबई में हवाई अड्डा बनाने की चर्चा साल 1997 में शुरू हुई। लेकिन उस परियोजना को ठीक दस साल बाद यानी 2007 में मंजूरी मिल पाई। लेकिन राजनीति और नौकरशाही से कोलाज वाले तंत्र की वजह से इस परियोजना पर ठोस रूप में काम नहीं हो पाया। प्रधानमंत्री ने तो सीधे-सीधे इसके लिए इस दौरान केंद्र और महाराष्ट्र में काबिज रही कांग्रेस सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। प्रधानमंत्री के अनुसार, कांग्रेस की सरकारों ने इस परियोजना में ना तो दिलचस्पी दिखाई, ना ही कोई कार्रवाई नहीं की। यह बात और है कि मोदी सरकार ने इस परियोजना के कामकाज में तेजी लाने की दिशा आगे बढ़ी है। उम्मीद की जा रही है कि जिस तरह दूसरी योजनाएं तेज गति से तय वक्त या उससे पहले पूरी हुई, उसी गति और तेजी से नवी मुंबई हवाई अड्डा परियोजना भी पूरा होगी। देश के आर्थिक विकास की नींव नरसिंह राव ने साल 1991 में रखी थी, जिनके सहयोग से तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने उदारीकरण की गति को तेज किया था। देश की आर्थिकी को लाइसेंस राज और लालफीताशाही से दूर किया था। उस बदलाव का असर भी दिखा। लेकिन राजकाज की कमान जिस तंत्र के हाथों में रही, वह पुरानी मानसिकता से ग्रस्त रहा। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के बाद इस मानसिकता को थोड़ी लगाम जरूर लगी है। यह बात और है कि इस मोर्चे पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। 'देरी, विकास का दुश्मन है' के प्रधानमंत्री के नए मंत्र का ही असर कहा जाएगा कि आर्थिक मोर्चे पर तय लक्ष्यों को हासिल करना आसान हुआ। आर्थिक मोर्चे पर बदलाव का ही असर है कि कुछ ही वर्षों में दुनिया की 11वें नंबर से भारतीय अर्थव्यवस्था पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। दुनियाभर की विकास दर को कोरोना की महामारी ने बुरी तरह प्रभावित किया। आज की दुनिया के विकास का ईंधन एक तरह से जैविक ऊर्जा यानी पेट्रोल और डीजल है। अरब देशों के आपसी संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद भारत को पेट्रोलियम आपूर्ति में बाधा न पड़ना, चीन और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर में कमी ना आना, एक तरह के भारत के संकल्प का नतीजा है। बेशक इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, लेकिन प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इसका श्रेय युवाओं को दिया। उन्होंने कहा कि यह अभूतपूर्व बढ़ोतरी युवाओं की महत्वाकांक्षाओं और आकांक्षाओं से प्रेरित है। इससे दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। पहले दुनिया मानती थी कि भारत धीरे-धीरे और लगातार प्रगति करेगा, उसी दुनिया को भारत अलग नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री के शब्दों में कहें तो दुनिया अब देश को 'तेज और निडर भारत' के रूप में देख रही है।

सपनों को साकार करने के लिए ठोस योजना बनाना जरूरी

मुनीष भाटिया

खुद से बातचीत करना सफलता प्राप्त करने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण सीढ़ी है। जब हम अपने मन की गहराइयों में झांकते हैं, खुद से सवाल करते हैं और अपने विचारों का विश्लेषण करते हैं, तो हमें अपने लक्ष्य और कमजोरियों की स्पष्ट समझ मिलती है। खुद से ईमानदारी से बात करने से हम अपनी वास्तविक स्थिति को पहचान सकते हैं और सही दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। खुद से बात करने का मतलब सिर्फ अपने विचारों को सुनना नहीं, बल्कि उन्हें सही दिशा में मोड़ना भी है। यह आत्मविश्लेषण हमें बताता है कि हम कहां खड़े हैं, हमें कहां जाना है और हमें वहां तक पहुंचने के लिए क्या-क्या कदम उठाने चाहिए। अपने अच्छे और बुरे निर्णयों पर विचार करने, सही और गलत कार्यों का विश्लेषण करने और खुद से ईमानदारी से सवाल करने की जरूरत है कि क्या हम सही राह पर चल रहे हैं। जब हम खुद से सच्चे सवाल पूछते हैं, तो हमें अपने सुधार की दिशा का भी पता चलता है। सफलता केवल भाग्य पर निर्भर नहीं होती, बल्कि यह हमारे प्रयासों और संकल्पों का परिणाम होती है। सबसे पहले, अपने लक्ष्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना चाहिए। जब तक हमारा लक्ष्य स्पष्ट नहीं होगा, तब तक हम सही दिशा में आगे नहीं बढ़ सकते। अपने सपनों को साकार करने के लिए ठोस योजना बनाना आवश्यक है। सफलता उन्हीं को मिलती है जो बिना थके, बिना रुके अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहते हैं। मेहनत और दृढ़ संकल्प के बिना कोई भी सपना पूरा नहीं हो सकता। आत्मविश्लेषण और खुद से बातचीत करना जरूरी है, क्योंकि जब हम अपने मन की गहराइयों में झांकते हैं और खुद से सवाल करते हैं, तो हमें अपने लक्ष्य और कमजोरियों की स्पष्ट समझ मिलती है। खुद से ईमानदारी से बात करने से हम अपनी वास्तविक स्थिति को पहचान सकते हैं। सपने वे नहीं जो सोते समय देखे जाते हैं, बल्कि वे होते हैं जो हमें सोने नहीं देते। हमारे दिल में जो आरजू होती है, जब वह पूरी होने के करीब आती है, तो दिल की खामोशी भी नजरों से अपनी बात कह जाती है। हर इंसान के भीतर एक अद्भुत शक्ति होती है जो उसे अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देती है। जब कोई व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति पूरी ईमानदारी और जुनून के साथ आगे बढ़ता है, तो उसकी राह में आने वाली हर बाधा छोटी लगने लगती है। मेहनत, आत्मविश्वास और सही दिशा में किया गया प्रयास सफलता की कुंजी होते हैं। आत्मविश्वास वह शक्ति है जो किसी भी कठिन परिस्थिति में हमें मजबूती से खड़ा रखती है। जब हम अपने और दूसरों के लिए सकारात्मक सोच रखते हैं, तो यह हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाती है और हमें आगे बढ़ने का साहस देती है। कोशिश यह करनी चाहिए कि हम अपने मन से संवाद करें, विवाद नहीं। संवाद से हल निकलता है और विवाद से समस्या पैदा होती है। आत्मविश्लेषण की राह में कई बाधाएं भी आ सकती हैं। कभी-कभी हमारा मन नकारात्मक विचारों से भर जाता है, जिससे हम अपनी सच्ची क्षमताओं को पहचान नहीं पाते। डर, असफलता का भय और आत्म-संदेह हमारी सोच को सीमित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कोई छात्र परीक्षा में बार-बार असफल हो रहा है, तो खुद से यह पूछ सकता है कि वह कहां गलतियां कर रहा है। अगर वह अपने डर और निराशा को खुद पर हावी होने देगा, तो वह सही उत्तर नहीं खोज पाएगा। इसी तरह, कोई व्यक्ति अपने करिअर में सफलता नहीं पा रहा है, तो उसे अपनी रणनीतियों और कार्यशैली पर विचार करना चाहिए, बजाय इसके कि वह खुद को असफल मान ले। अगर कोई व्यवसायी बार-बार नुकसान झेल रहा है, तो उसे अपनी व्यापार रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि किन बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता है। आत्मविश्लेषण से हम अपनी गलतियों को समझ कर सही मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि हर सफलता एक दिन में नहीं मिलती। कठिनाइयों का सामना करने की क्षमता हमें और अधिक मजबूत बनाती है। अपने आसपास के लोगों की मदद करना भी सफलता का एक अहम हिस्सा है। जब हम केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी सोचते हैं और उनकी मदद करते हैं, तो यह हमें आंतरिक संतुष्टि देती है और हमें अधिक प्रेरित करती है। नकारात्मक विचारों से बचना बहुत जरूरी है, क्योंकि मन में नकारात्मक विचार रखने से आत्मविश्वास कम हो सकता है। जब हम पूरे दिल से प्रयास करते हैं, तो सफलता भी हमारा साथ देती है। सफलता उन्हीं को मिलती है।

सर्कुलर इकोनॉमी अर्थव्यवस्था भारत के लिए एक आर्थिक जरूरत

आज के युग में परिपत्र अर्थव्यवस्था एक आर्थिक जरूरत बनकर उभरी है. बदलाव से गुजर रही दुनिया में परिपत्र अर्थव्यवस्था की आर्थिक जरूरत को हरेक देश महसूस कर रहा है. भारत भी इससे अछूता नहीं है. इसे भी सरकुलर इकॉनमी का दरकार है। भारत में हरेक साल कचरे में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. आंकड़ों पर गौर करें तो इंडिया में सालाना तकरीबन 62 मिलियन टन कचरा पैदा होता है. इन कचरों में प्लास्टिक, इलेक्ट्रॉनिक और खतरनाक कचरे की मात्रा में तेज़ी से बढ़ोतरी हो रही है. इतना ही नहीं विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे भारत में इसमें काफी बढ़ोतरी होने से प्रदूषण भी बढ़ रहा है. भारत में आर्थिक तेजी के कारण वार्षिक सामग्री खपत में भी कई गुना वृद्धि हुई है. मसलन साल 1970 में जहां भारत में 1.18 बिलियन टन कचरा पैदा होता था. वहीं ये कचरा अब बढ़कर वर्ष 2015 में 7 बिलियन टन हो गया था. विशेषज्ञों का अनुमान है कि ये आंकड़ा साल 2030 तक बढ़कर लगभग 14.2 बिलियन टन हो जाएगा. इन हालात में कचरे का निष्पादन मुश्किल हो जाएगा। गौर करें तो पारंपरिक रैखिक आर्थिक मॉडल अब टिकाऊ नहीं रहा है. इसके तहत लेना, बनाना और निपटाना का फॉर्मूला लागू होता है. ऐसे में लैंडफिल पर बढ़ते दबाव, प्राकृतिक संसाधनों की लगातार होती कमी और अनियंत्रित अपशिष्ट निपटान के कारण होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है. ऐसे हालात में लगातार बढ़ रही जनसंख्या, तेजी से हो रहे शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण के साथ भारत को एक परिपत्र इकॉनमी की ओर बढ़ना चाहिए, यहां ये जानना जरूरी है कि सतत विकास और जलवायु जागरूकता के सिद्धांत कचरे को एक मूल्यवान संसाधन के रूप में मानने की ये परंपरा हमें विरासत में मिली है. इसके तहत यूज की गई वस्तुओं का दोबारा उपयोग किया जाता है. साथ ही एक परिपत्र अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण के माध्यम से इस प्रक्रिया को दोहराया जाता है. अब ये समय आ गया कि ये सब चीजें प्रचलन में बनी रहें. इसके लिए उपभोग और उत्पादन के अधिक टिकाऊ पैटर्न को अपनाने पर फौरन जोर देने की जरूरत है. ये जान लें के परिपत्रता इकॉनमी उच्चतम संभव मूल्य पर यथासंभव लंबे समय तक सामग्री का उपयोग करने की एक अवधारणा है. साल 2050 तक, भारत की परिपत्र अर्थव्यवस्था का बाजार मूल्य 2 ट्रिलियन होने और 10 मिलियन नौकरियां पैदा करने की उम्मीद है. यह स्टार्ट-अप और नए पुनर्नवीनीकरण उत्पादों के डेवलपर्स के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। एशिया और प्रशांत क्षेत्र में 12वें क्षेत्रीय 3आर (3आर) और सर्कुलर इकॉनमी फोरम का हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में उद्घाटन किया गया. यह आयोजन स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन के लिए क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और सर्कुलर इकॉनमी पहलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक खास पहल है. ये फोरम टिकाऊ उत्पादन और उपभोग पैटर्न के लिए एक व्यापक रोडमैप बनाएगा. साथ ही ये फोरम रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल यानी 3आर के सिद्धांतों पर जोर देगा. नीतिगत सिफारिशों, व्यावहारिक चर्चाओं और सहयोगी साझेदारी के माध्यम से इसका उद्देश्य संसाधन दक्षता, जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रतिबद्धताओं को मजबूत करना है. ये काम साल 2009 में शुरू किया गया. ये फोरम पूरे क्षेत्र में स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5569

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5568

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5569

1	2		3		■	4	■
5		■		■	6		
	■	7		8			■
9	10		■	11		■	12
■	13			■	14	15	
16		■	■	17			■
18		19	■		■	20	21
22				■	23		

संकेत: बाएं से दाएं
1. विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले प्रथम भारतीय गेंदबाज (5)
5. संगीत में स्वर का विस्तार, धनुष की तांत, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
6. अनुमान, अंदाज, अटकल (3)
7. लक्ष्मी के पति होने के कारण पुराणानुसार भगवान विष्णु का एक नाम (5)
9. नौरंग, चंपा, तंदुरुस्त (3)
11. बेतालता, बालों का वह गुच्छा जो गाल पर लटके (2)
13. अवसर की प्रतीक्षा में रहना, ध्यानपूर्वक देखना (3)
14. छेद करना, आहत करना (3)
16. पुराणानुसार महर्षि विश्वामित्र के पिता और कुशिक राजा के पुत्र (2)
17. जलता हुआ, प्रदीप्त, प्रकाशमान, पुरानी फिल्मों के दिवंगत संगीतकार (3)
18. व नामक वर्ण (3)
20. पंख, डैना, चिड़ा, परिंदा (2)
22. हाथ जोड़कर (4)
23. बेटी की बेटी यह कहलाती है (3)

ऊपर से नीचे
1. सावधान करने के लिए कही जाने वाली बात, खतरे की पूर्व सूचना (4)
2. देह, काया, शरीर, बदन (2)
3. खुशबू, महक, सुगंध (3)
4. चंद्रवंश के पांचवें राजा जिनका विवाह दैत्यगुरु शुक्राचार्य की पुत्री देवयानी से हुआ था (3)
6. धोखा देने का भेष (5)
7. धतूरा स्वर्ण (3)
8. इंद्र धनुष के रंगों में से एक (2)
10. वोट देने की पात्रता (3)
12. अचानक, भूप, खामोश, चुप्पी (2)
15. धन-दौलत, धनवान व्यक्ति, मालदार (4)
16. गीत गाने या प्रस्तुत करने वाला (3)
17. उर्दू भाषा में छत को यह कहा जाता है (2)
19. प्रभु, परमेश्वर (पंजाबी) (2)
21. क्रिकेट में खिलाड़ियों का मापदंड (2)

वर्ग पहेली 5568 का हल

स	त्य	ना	रा	य	ण	सि	न्हा
त्य	■	म	ज	र	■	या	■
ना	ल	दा	■	श	न	■	वि
रा	ब	■	मु	रा	द	■	ज
य	■	रा	■	ना	र	की	य
ण	■	ज	ज	■	■	लि	■
■	■	गु	ल	जा	र	■	ह
आ	ब	रू	■	ब	म	ह	स्ती

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-2-6-8

वृषभ : [illegible] शुभांक-1-3-5

मिथुन : [illegible] शुभांक-3-6-7

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible] शुभांक-2-6-7

कन्या : [illegible] शुभांक-2-5-7

तुला : [illegible] शुभांक-2-5-6

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible] शुभांक-2-6-8

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible] शुभांक-4-6-7

मीन : [illegible]

बड़े बालाजी मंदिर परिसर में...

101 कन्या पूजन के साथ होगा 20 को विशाल भण्डारे का शुभारंभ

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। श्री हनुमान जन्मोत्सव के तहत पुराना बस स्टेण्ड स्थित चमत्कारी श्री बड़े बालाजी मंदिर परिसर पर हनुमान जन्मोत्सव के तहत 20 अप्रैल, रविवार को विशाल भण्डारे का आयोजन मंदिर परिसर में 101 कन्याओं के पूजन के साथ किया जाएगा। साथ ही 26 अप्रैल, शनिवार को विराट कवि सम्मेलन तथा स्व. श्री रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान समारोह आयोजित होगा।

श्री बड़े बालाजी मंदिर समिति अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा एवं प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि 20 अप्रैल रविवार को प्रात: 11 बजे सनातन धर्म गुरूओं द्वारा 101 कन्या पूजन होगा उसके पश्चात् प्रात: 11 बजे से सायं 4 बजे तक मंदिर परिसर में भंडारा शुरू होगा। भंडारे में हजारों भक्तगण प्रसाद ग्रहण करने पधारेंगे। साथ ही दिनांक 26 अप्रैल, शनिवार को सायं 7 बजे से विराट कवि सम्मेलन का आयोजन बालाजी मंदिर परिसर पुराना बस स्टैंड पर होगा। इस दौरान पं. रामनारायण शर्मा काव्य अलंकरण सम्मान शुजालपुर के विख्यात कवि गोविन्द राठी को दिया जाएगा। इस कवि सम्मेलन में हास्य रस कवि दिनेश देशी घी शाजापुर, हास्य रस कवि चेतन चर्चित दिल्ली, गीतकार कैलाश मण्डेला शाहपुरा, हास्य रस कवि कुलदीप रंगीला देवास, वीर रस कवि नरेन्द्र अटल महेश्वर, श्रृंगार रस कवयित्री सोनल जैन सूरत, वीर रस कवयित्री श्रद्धा शौर्य नागपुर व हास्य रस कवि मुन्ना बैटरी मंदसौर अपनी कविताओं की प्रस्तुति देंगे। संचालन हास्य कवि गोविंद राठी शुजालपुर करेंगे। मंदिर समिति के अध्यक्ष पं. दिलीप शर्मा, प्रवक्ता रवि ग्वाला समिति के सदस्यगण विनय दुबेला, नरेश चंदवानी, दिनेश जोशी (ऊँशांति), अनिल कियावत, चौथमल शर्मा, सज्ञनलाल खमेसरा, नारायण पालीवाल, अनिल सुराह, महेन्द्रसिंह सिसोदिया, शिवशंकर सोलंकी, कपिल सोलंकी, राजाराम तंवर, जीवनलाल गोसर, वरदीचंद कुमावत, मुन्ना बैटरी, विनोद रूनवाल आदि ने सभी मंदसौर नगर के सभी भक्तों से महाप्रसादी का लाभ लेने एवं काव्य प्रेमियों से कवि सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

30 दिवसीय नि: शुल्क मोबाइल रिपेयरिंग बैच आज से

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी) द्वारा बताया गया कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान मंदसौर द्वारा पुरुषों हेतु नि: शुल्क 30 दिवसीय मोबाइल रिपेयरिंग, बैच संभावित 18 अप्रैल 2025 से प्रारंभ कर दी जाएगीं जो भी इच्छुक प्रत्याशी हैं वह अपना रजिस्ट्रेशन जल्द से जल्द करवा लेवे जिससे उनका स्थान सुरक्षित हो जाए अपने साथ दो फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी कार्ड, अंतिम मार्कशीट और बैंक खाते की डिटेल फोटो प्रति लेकर आवे आज ही रजिस्ट्रेशन करवा लेवे। 18 से 45 वर्ष वाले प्रत्याशी ही इसमें रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं सर्किट हाउस के पहले नई आबादी पुलिस थाने के पास ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी) मोबाइल नंबर 7999852839, 9111858590, 8435806291

एजुकेशन पोर्टल 3.0 में है मानव संसाधन से संबंधित व्यापक जानकारी

स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शिक्षा सत्र में तैयार किया है एजुकेशन पोर्टल

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग ने नये शिक्षा सत्र एक अप्रैल, 2025 से एजुकेशन पोर्टल 3.0 तैयार किया है। इस पोर्टल में विभाग से जुडी मानव संसाधन की व्यापक जानकारी का समावेश किया गया है। इस पोर्टल से विभाग के कर्मचारियों का डाटाबेस तैयार किया गया है। पोर्टल में मानव संसाधन से संबंधित जानकारी को कर्मचारी और विकासखण्ड स्तर पर वेरीफाई किया गया है। इसमें विभाग के करीब 2 लाख 75 हजार कर्मचारियों की समस्त जानकारी पारदर्शी रूप से पोर्टल पर प्रदर्शित की गयी है। विभाग के पौने तीन लाख कर्मचारियों के स्थानांतरण को भी पारदर्शी माध्यम से स्थानांतरण नीति-2022 के आधार पर ऑनलाइन ट्रांसफर मॉड्यूल तैयार किया गया है। उच्च पद प्रभार एवं अतिथि शिक्षक प्रक्रिया को भी पोर्टल पर ऑनलाइन किया जा रहा है। विभाग के सभी कर्मचारियों को वेतन पर्ची उनके मोबाइल पर प्राप्त हो सके, ऐसी व्यवस्था विभाग द्वारा की गयी है।

परिवेदना प्रणाली–विभाग के कर्मचारी छोटी-छोटी समस्याओं के लिये जिला या मुख्यालय स्तर पर चक्कर न लगायें। इसके लिये उनकी शिकायतों निराकरण के लिये परिवेदना प्रणाली को ऑनलाइन किया गया है। पोर्टल में इंटीग्रेटेड डेशबोर्ड से मुख्यालय, जिला और विकासखण्ड स्तर पर समस्त गतिविधियों की मॉनीटरिंग किये जाने की व्यवस्था की गयी है। एजुकेशन पोर्टल 3.0 में एकीकृत डाटाबेस के आधार पर जानकारी तैयार की जा रही है। यह जानकारी सुरक्षित रहे, इसके लिये ब्लॉक चेन बेस्ड टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। विभाग में विभिन्न जानकारियों के लिये अलग-अलग पोर्टल का उपयोग अब तक किया जा रहा था। अब विभाग में एकीकृत पोर्टल के माध्यम से सभी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा सकेगा।

मॉनीटरिंग सहित एआई तकनीक का उपयोग–एजुकेशन पोर्टल 3.0 में आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग किया जा रहा है। पोर्टल पर दी गई सुविधा से स्कूल स्तर पर विद्यार्थी एआई जैसी तकनीक का उपयोग कर सकेंगे। सीएम राइज योजना के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में सिलेबस, कैलेण्डर, टाइम-टेबल, टीचर एण्ड क्लॉस और स्कूल ट्रांसपोर्ट जैसी गतिविधियों को ऑनलाइन किया गया है। प्रदेश के सरकारी स्कूल की बसों में भी जीपीएस एवं कैमरों के माध्यम से मॉनीटरिंग की व्यवस्था एजुकेशन पोर्टल 3.0 में की गयी है। सभी सरकारी स्कूलों में उपलब्ध इन्फ्रा-स्ट्रक्चर और प्रोक्योरमेंट को भी ऑनलाइन किया गया है। अभिभावकों की सुविधा के लिये पोर्टल के माध्यम से बच्चे की डायरी को भी ऑनलाइन किया जा रहा है, जिससे अभिभावक अपने बच्चों के टेस्ट, मार्क्स एवं होमवर्क ऑनलाइन देख सकेंगे। विद्यार्थियों के लिये व्होकेशनल और कैरियर गाइडेंस को ऑनलाइन किया गया है, जिससे विद्यार्थी प्रगति की ओर अग्रसर हो सकें। पहली बार प्रदेश में सरकारी स्कूल की केश-बुक ऑनलाइन लिखने की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिससे विभाग के बजट की पूर्णत: मॉनीटरिंग किया जा सकेगा। विभाग के सभी छोटे-बड़े निर्माण कार्यों की मॉनीटरिंग भी ऑनलाइन करने की सुविधा पोर्टल में दी गयी है।

अवकाश के बावजूद सभी उपार्जन केन्द्रों पर होगी गेहूं की खरीदी-खाद्य मंत्री

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के अन्नदाताओं की सुविधा और हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी उपार्जन केन्द्रों पर आगामी 18 और 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद गेहूं की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसके लिए किसान स्लॉट बुक करा सकते हैं।खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। किसान इन तिथियों में स्लॉट बुक कर बिना किसी परेशानी के गेहूं विक्रय कर सकेंगे। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कलेक्टरों को दिए गए निर्देश–खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में उपार्जन केन्द्रों की निरंतर मॉनीटरिंग करें। उपार्जन कार्य से जुड़े कर्मचारियों, अधिकारियों और एजेंसियों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि किसानों को कतारों में लंबा इंतजार न करना पड़े, तुलाई, रख-रखाव, भुगतान और परिवहन की सभी व्यवस्थाएँ समय पर और पारदर्शिता से हों।खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरकार किसान हितैषी है। यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

जब-जब अन्याय बढ़ता है तब-तब प्रभु अवतार लेते है-पं. शर्मा

द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में हो रहा है श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। स्नेह नगर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में 14 से 20 अप्रैल तक सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जहां प्रतिदिन दोप. 12 से 4 बजे तक भागवत प्रवक्ता पं. श्री सत्यनारायणजी शर्मा प्रतापगढ़ वाले अपने मुखारविंद से संगीतमय कथा का रसपान करा रहे हैं। कथा का आयोजन सेवानिवृत्त सदस्यों ए.पी. शर्मा, धीरज पाठक, हंसराज रौंदवाल एमपीईबी द्वारा कराया जा रहा है।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन हुआ कथा पंडाल को भव्य रूप से सजाया गया था, जहां श्रद्धालु भजन नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की पर झूमते नजर आए। कथावाचक पं. श्री सत्यनारायणजी शर्मा प्रतापगढ़ वाले ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि जब-जब अत्याचार और अन्याय बढ़ता है, तब-तब प्रभु अवतार लेते हैं। कंस के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने हेतु श्रीकृष्ण का जन्म हुआ। पं. श्री शर्मा ने कहा कि बच्चों को माता-पिता और गुरु की बातों का पालन करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि माता-पिता को अपने बच्चों को भागवत कथा, सत्संग और कीर्तन में अवश्य ले जाना चाहिए, ताकि उनमें अच्छे संस्कार विकसित हों। कथा के दौरान वासुदेव, यशोदा और बाल श्रीकृष्ण का वृतान्त सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। अंत में माखन मिश्री सभी को प्रसाद वितरण की गई। प्रारंभ में पोथी पूजन कथा आयोजक ए.पी.शर्मा, धीरज पाठक, हंसराज रौंदवाल एमपीईबी, सहित क्षेत्रवासी, महिला भक्त मित्र मण्डल एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने किया। महिला भक्त मित्र मंडल स्नेह नगर मंदसौर के धर्मालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कथा का आनंद लेने का आह्वान किया। यह जानकारी मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी किरण शर्मा ने दी।

कुएं के रिचार्ज के लिए गड्ढे का किया जा रहा निर्माण

अभियान में नये तालाब बनेंगे, पुराने तालाबों, बावड़ियों तथा कुंओं का किया जा रहा है जीर्णोद्धार

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से प्रारंभ किया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। साथ ही वृक्षारोपण भी किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं।

इसी अभियान के तहत जिले में कुएं के रिचार्ज के लिए गड्ढे का निर्माण किया जा रहा है। अभियान को सभी के सहयोग से जन आंदोलन के रूप में जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जा रहा है। अभियान में जल संरक्षण के साथ ही वृक्षारोपण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अभियान के तहत शुरुआत में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य किये जा रहे हैं। यह जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, जनभागीदारी, आमजन और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्यों की शुरुआत की गई है। नदी-नालों एवं तालाबों की साफ-सफाई की जा रही है। इसके साथ ही कुएं, बावडियों से गाद निकालने का भी कार्य किया जा रहा है। जिले के नगरीय एवं ग्रामीण अंचलों में जन सहयोग से जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

वृक्षारोपण करके धरती पर जल स्तर बढ़ाया जा सकता है

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत अरनिया निजामुद्दीन में ग्राम सभा में जल संवर्धन अभियान अंतर्गत लोगों को नवांकुर संस्था बाजखेडी सेक्टर मेंटर द्वारा जल संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई और उनको वृक्षारोपण करके धरती पर जल स्तर बढ़ाया जा सकता है की जानकारी दी गई।

नीमच में आजीविका पुस्तकालय और आजीविका ज्ञान केंद्र का शुभारंभ

नीमच, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश एमपीएसआरएलएम की सीईओ श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा जरूरतमंद एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य हेतु एक नई पहल की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आजीविका मिशन भोपाल के निर्देशानुसार, कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव एवं सहायक राज्य परियोजना प्रबंधक श्री अमित खरे के मार्गदर्शन में 17 अप्रैल 2025 से गिरदौडा में आजीविका संकुल स्तरीय संगठन गिरदौडा में अंतर्गत संचालित नारी शक्ति सामुदायिक प्रशिक्षण केन्द्र भरभडिया में ज्ञान दान अभियान का शुभारंभ कर, आजीविका पुस्तकालय व आजीविका ज्ञान केंद्र का जनपद सदस्य श्री रतन मालावत ने रिबन काटकर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक श्री शम्भु मईडा, जनपद सीईओ श्री राजेन्द्र कुमार पालनपुरे, सहायक जिला प्रबंधक (सामुदायिक प्रशिक्षक), श्री प्रकाश प्रालिया, विकासखंड प्रबंधक श्री राजेन्द्र कुमार चौहान, श्री आशीष भगोरे एवं सुनिल नागराज, एवं सीएलएफ अध्यक्ष श्रीमति रिटा जाटव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न ग्रामों से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 30 बच्चों ने भाग लिया और अपने सुझाव भी पुस्तकालय के लिए दिए। पुस्तकालय स्थापना का उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों को पढ़ने की बेहतर सुविधा एवं पुस्तक उपलब्ध करवा कर भविष्य बेहतर बनाने की दिशा में कारगर कदम उठाना है। साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें उपलब्ध कराना है। इस अभियान के तहत लोग जो लोग प्रतियोगिता में सफल हो चुके है उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें दान कर सकते हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को लाभ मिल सके। इस अवसर पर जनपद सदस्य श्री रतन मालावत ने तीन हजार रूपये की दान राशि की घोषणा भी की।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों-केन्द्र शासित प्रदेश को दिए निर्देश...

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए तत्काल प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल बनाए

नई दिल्ली, 17 अप्रेल। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए आज राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल बनाने का निर्देश दिए है ताकि पीडितों को तत्काल सहायता मिल सके। न्यायमूर्ति अभय ओका व न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को चालकों के लिए काम करने के निर्धारित घंटों की व्यवस्था लागू करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संबंधित विभागों की बैठकें बुलाने का भी निर्देश दिया।

पीठ ने कहा कि हमारे देश में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके कारण अलग-अलग हो सकते हैं। ऐसे मामले भी हैं जहां सड़क दुर्घटनाओं के पीडितों को तुरंत मदद नहीं मिल पाती। ऐसे भी मामले हैं जहां पीडितों को चोट तो नहीं लगती लेकिन वे वाहनों में फंस जाते हैं। पीठ ने कहा कि हमारा मानना है कि राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों को जमीनी स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल बनाने के लिए 6 महीने का समय दिया। यह आदेश अधिवक्ता किशन चंद जैन की ओर से दायर एक याचिका पर दिया गया। जिसमें आग्रह किया गया था कि सड़क दुर्घटना पीडितों के लिए एक प्रोटोकॉल होना चाहिए।

फार्मेसी रजिस्ट्रेशन नहीं होने से प्रदेश के हजारों फार्मासिस्ट हो रहे परेशान-वप्ता

प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. यादव के मंदसौर आगमन पर छात्रों की समस्याओं से करवाया अवगत

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश में पिछले डेढ दो साल में फार्मेसी विभाग के छात्र परेशानी में है। बी फार्म, डी फार्म, एम फार्म करे हुए ऐसे हजारों छात्र हैं जिनका रजिस्ट्रेशन फार्मेसी विभाग द्वारा किया नहीं जा रहा है। जिसके चलते छात्र न तो अपना मेडिकल खोल पा रहे है और न ही किसी नौकरी हेतु आवेदन कर पा रहे है। घर परिवार के पालन पोषण में समस्याओं का सामना करना पड रहा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो सरकार ने इस विभाग को ही प्राथमिकता से अपने विभाग से हटा दिया हो।

मध्यप्रदेश फार्मेसी छात्रों की इन्हीं समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश फार्मेसी एसोसिएशन के प्रदेश सचिव श्री दीपक मिश्रा एवं जिलाध्यक्ष श्री मिथुन वप्ता ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी के मंदसौर आगमन पर मुलाकात कर पत्र देकर समस्याओं से अवगत करवाया और प्रमुखता से मांग की है कि उक्त समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करे। जिलाध्यक्ष श्री मिथुन वप्ता ने पत्र में उल्लेख करते हुए माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव जी से कहा कि फार्मेसी की पढ़ाई MBBS के समक्ष होती है। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के जैसे ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 एवं रूल्स 1945 के तहत फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन किया गया था। इसीलिए यह पैरामेडिकल स्टॉफ की श्रेणी में नहीं आता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया में दो वर्षीय डिप्लोमा एवं चार वर्षीय फार्मेसी की डिग्री के बाद रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया होने पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट का सर्टिफिकेट जारी होता है और दवा वितरण सम्बंधित समस्त कार्य फार्मासिस्ट समुदाय द्वारा किया जाता है। परंतु कई वर्षों से फार्मासिस्ट समुदाय को कई अनियमितताओं के चलते परेशान होना पड़ रहा है। पारदर्शिता ना होने के कारण फार्मेसी काउंसिल मध्यप्रदेश भोपाल में रजिस्ट्रेशन संबंधित कई परेशानियां आ रही हैं। समय पर रजिस्ट्रेशन नही किए जा रहे हैं। रजिस्ट्रार द्वारा या अन्य स्टॉफ द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी साझा न करी जा रही है।काउंसिल ऑफिस में फार्मासिस्ट लोगों की समस्याओं के निराकरण हेतु हेल्प डेस्क या हेल्प लाइन नंबर का ना होना जिससे की भोपाल से अन्यत्र जिलों में रहने वाले हजारों फार्मासिस्टों को स्पष्ट जानकारी मिल सके। परमानेंट रजिस्ट्रार की नियुक्ति भी काफी समय से पेंडिंग हैं। इन सभी गंभीर विषयों की जानकारी विस्तार से बताई गई। उक्त मांग को पूर्व में मध्यप्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री शुक्ला को भी कई बार अवगत करवा चुके है लेकिन फिर भी इन समस्याओं का समाधान अभी तक नहीं हुआ है।अत: आपके माध्यम से आ रही इन समस्याओं का निराकरण शीघ्र ही किया जाए ताकि प्रदेश के फार्मासिस्ट लोगों केपरेशान न होना पड़े।उक्त जानकारी संगठन के वरिष्ठ नरेंद्र त्रिवेदी ने दी।

पुजारी ने लगाया एसडीएम और तहसीलदार पर मंदिर की फसल काटकर लाखों रूपये गबन करने का आरोप

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के नाहरगढ के समीप स्थित ग्राम खजूरी चंद्रावत में श्री राम जानकी मंदिर के पुजारी पं. मंगल द्विवेदी है जो कई वर्षो इस मंदिर के पुजारी के रूप में कार्य कर रहे है। मंदिर की लगभग 52 बीघा जमीन पर पं. मंगल द्विवेदी की खेती करते आ रहे है और यही इनकी आजीविका का साधन है। लेकिन इस वर्ष सीतामऊ एसडीएम शिवानी गर्ग और नायब तहसीलदार प्रतिभा भाबर ने एक नोटिस पुजारी को जारी कर फसल की कुर्की कर ली और अपने हार्वेस्टर से फसल काटकर ले गई।

जनसुनवाई में कलेक्टर को दिये आवेदन में पं. मंगल द्विवेदी ने बताया कि मंदिर की लगभग 52 बीघा जमीन है जिसे मैं अपने बटाईदार के साथ मिलकर हांकता हु। इस बार भी लगभग 45 बीघा जमीन पर गेहूं बोये थे। लेकिन इस बार सीतामऊ एसडीएम शिवानी गर्ग ने एक नोटिस जारी कर फसल का कुर्क करने के आदेश जारी किये यह नोटिस पं. मंगल द्विवेदी को 5 मार्च को मिला और 6 मार्च को इस नोटिस के विरूद्ध पुजारी ने अपर कलेक्टर के यहां अपील कर दी और स्टे प्राप्त कर लिया। इसके बावजूद एसडीएम शिवानी गर्ग और नायब तहसीलदार प्रतिभा भाबर व अन्य पटवारियों की टीम दिनांक 25 मार्च को हार्वेस्टर से पूरी फसल कटवा दी और अपने साथ ले गये। मंदिर के पुजारी पं. मंगल द्विवेदी और उनके सहयोगी प्रहलाद शर्मा, कोमल कुमावत, साहब सिंह बंजारा, कमल सिंह चंद्रावत, मनीष शर्मा और अन्य ग्रामीणों ने कलेक्टर को जनसुनवाई में बताया कि जब पटवारी हमारे यहां पर फसल काटने आयें तो हमने उनका विरोध किया लेकिन उन्होने हमारी नहीं सुनी। इसमें सबसे बडी बात यह है कि जब फसल काटकर खेत से ले गये तब 21 ट्राली गेहू खेतों से 4 हार्वेस्टर तक लगाकर भरकर ले गये थे। हमारे द्वारा सीतामऊकृषि उपज मण्डी में जब जानकारी निकाली तो वहां पर 14 ट्राली गेहूं ही पहुंचे है। बीच में सात ट्राली गेहू अन्यत्र खाली करवा दिये गये। इस तरह से करीब 120 क्विंटल गेहूं गायब कर दिया गया है। जिससे प्रार्थी को लगभग 3 लाख रुपये से अधिक की आर्थिक क्षति हुई है और एसडीएम शिवानी गर्ग द्वारा इस तरह की भारी आर्थिक अनियमितता की गई है। फसल काटने के लिए जो हार्वेस्टर लायें गये थे उनके लिए भी टेण्डर प्रक्रिया का उपयोग नहीं किया गया।

दूसरे पुजारी का नाम चढाने का था विवाद–आवेदन में बताया गया कि खजूरी चन्द्रावत के श्री राम जानकी मन्दिर की पूजा अर्चना पं. मंगल द्विवेदी वंशानुगत क्रम से करते आ रहे हैं। जो कि पंचायत रिकार्ड में भी बाकायदा दर्ज़ है। लेकिन वर्ष 2020 में बगैर ठहराव प्रस्ताव के किसी पंचायत द्वारा अन्य पुजारी की अवैधानिक तरिके से नियुक्ति बताकर प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास किया। पुजारियों के इस विवाद के चलते सीतामऊ के प्रशासनिक अधिकारियों ने परम्परागत रूप से विद्यमान पुजारी पं. मंगल द्विवेदी द्वारा मन्दिर की लगभग द्ब्र्थ्द्ब्र बीघा कृषि भूमि पर स्वयं के व्यय पर बोई गई गेहूं, अलसी व लहसुन की फसल को खेतों में से भरवाकर मण्डी में बेच दी गई। जो फसल प्रशासन ने मण्डी में बेची उसमें भी भारी घपला किया गया ? पुजारी का कहना है कि उसके खेत से प्रशासनिक अधिकारियों ने 42 बीघा में बोई गई गेहूं की फसल का 21ट्रली गेहूं भरा जो कि 420 से 450 क्विंटल तक होता है। यह गेहूं मण्डी तक जाते-जाते 14 ट्राली का मात्र 263 क्विंटल रह गया ? इसी प्रकार 2बीघा की 8 क्विंटल अलसी और 2 बीघा की 8 क्विंटल मैथी व 10 आरी की 8 क्विंटल लहसुन भी मण्डी में जाते जाते आधी से कम रह गई ? यही नहीं अधिकारियों ने जो गेहूं बेचा उसे भी समर्थन मूल्य 2600 रूपये में ना बेचकर मंडी 2370 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से बेचना बताया गया? इस पूरे मामले में सीतामऊका पूरा प्रशासनिक अमला भी शंका के घेरे में है।

पुजारी ने की कलेक्टर से न्याय की मांग–पं. मंगल द्विवेदी ने जन सुनवाई में कलेक्टर को दिये गए आवेदन में पीड़ित पुजारी ने न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि उसके पास खेत से प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भरवाकर बेचने हेतु ले जाई फसलों की फोटो व विडियो रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। कलेक्टर को इस पूरे मामले की निष्पक्ष की जांच करना चाहिए।

जिला स्तरीय हज प्रशिक्षण एवं टीकाकरण शिविर का आयोजन 29 को

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश स्टेट हज कमेटी मन्दसौर एवं ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी जिला मंदसौर की जानिब से जिला स्तरीय हज प्रशिक्षण एवं टीकाकरण 29 अप्रैल मंगलवार को मन्दसौर स्थित समेवाल विला में आयोजित किया जाएगा।

मन्दसौर जिला हज कमेटी के सदर शाहिद निज़ामी ने बताया की शिविर की शुरुवात सुबह 9 बजे तिलावते कुरान एवं हम्दो नात से की जाएगी, जिसके बाद हाजियों का रजिस्ट्रेशन, हज की अदायगी का तरीका, हज के अरकान, टीकाकरण, सऊदी अरब के कानून आदि की जानकारी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रदान की जाएगी। सदर शाहिद निजामी के अनुसार इस वर्ष 2025 में मन्दसौर जिले से कुल 121 हाजी हज यात्रा पर जा रहे है जो सऊदी अरब स्थित मक्का और मदीना शरीफ में लगभग 45 दिन रुकेंगे। हाजियों की फ्लाइट 1 मई से 15 मई तक बॉम्बे एयरपोर्ट से रवाना होगी। हाजी रफीक मुल्ला सरपरस्त आला मंदसौर जिला हज कमेटी ने हाजियों से गुजारिश की है शिविर में आधार कार्ड कि फोटोकॉपी मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट एक पासपोर्ट की कॉपी और 2 पासपोर्ट साईज फोटो साथ लेकर सुबह 9 बजे अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	35	2125	2300
उडद	10	4801	5011
सोयाबीन	4668	3851	4631
गैहु	12500	2375	2930
चना	754	5401	5850
मसुर	156	5801	6200
धनिया	208	5001	7300
लहसुन	20000	2290	7200
मैथी	1352	4159	5780
मुंगफली	746	4500	5350
अलसी	1972	6800	7400
सरसो	417	5700	6010
तारामीरा	15	5200	5350
इसबगोल	176	9300	12800
प्याज	5200	251	900
कलोंजी	48	10000	18581
तुलसी बीज	4	11500	12781
डॉलर	140	7120	9500
तिल्ली	3	8100	8400
जौ	47	2150	2300
मटरसुखी	3	4270	4270
असालीया	258	6600	7700
चियाबीज	108	10001	12953

अव्यवस्थाओं का बस स्टेंड

शहर के प्रमुख नेहरू बस स्टेण्ड पर इन दिनो अव्यवस्थाओ का आलम है। यहां लगे पंखे बंद है, कुर्सिया टूटी पड़ी है। भारी गरमी मेंपीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं है।

सोमयज्ञ हमें सभी व्याधियों से दूर रखता है-शंकराचार्य ज्ञानानंद जी

❊ यज्ञ से ही हमारी सनातन परंपरा सुदृढ़ है -विजयवर्गीय ❊ महासोम यज्ञ शाला में स्कूली बच्चे भी कर रहे हैं यज्ञ दर्शन और परिक्रमा

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। सोमराजा अमृत प्रदान करते हैं जो सोमरस होता है जो हमारे तत्व की पुष्टिकरता है। व्याधियों से निवृत्ति दिलाता है हमें तेज और ओज प्रदान करता हैयज्ञ संस्कृति हमारी सनातन परंपरा का सबसे पहला धार्मिक प्रयोजन है जिसका आधार पूर्णतया वैज्ञानिक है।

यह विचार भानपुरा पीठ के पूज्य शंकराचार्य स्वामी श्री ज्ञानानंद जी तीर्थ ने महायज्ञ में पांचवें दिवस व्यक्त किए। आपने कहा कि यज्ञ में जिन वनस्पतियों का ओर औषधियों उपयोग किया जाता है वह हमेशा के लिए हमारी व्याधियों को दूर करते हैं और जीवन का कल्याण करते हैं। आपने कहा कि व्यक्ति पुण्य तो प्राप्त करना चाहता है किंतु पुण्य करता नहीं। पुण्य करेंगे तो ही पुण्य का लाभ मिलेगा। सोम यज्ञ से प्राणी मात्र का कल्याण होता है। जीव जंतु चल चराचर भूचर जलचर सभी प्राणी सोम यज्ञ से लाभान्वित होते हैं। कथा वाचिका सीता बहन भी यज्ञ शाला में आईं और आचार्य श्री का सम्मान किया।

सोम यज्ञशाला में पांचवें दिवस प्रदेश के नगरी प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय भी सम्मिलित हुए उन्होंने यज्ञशाला में यज्ञ विधि पर बैठकर आहुतियां दी परिक्रमा भी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारे तपस्वी ऋषियों और पूज्य संतों ने अपनी कठोर तपस्या और तपबल से यज्ञ विधान बनाए हैं।यज्ञ संस्कृति से ही हमारी सनातन परंपरा सुदृढ़ है। यज्ञ हमारे शास्त्रों के जीवंत प्रमाण हैं।यज्ञ साक्षात ईश्वर है। यज्ञ कुंड को भगवान का मुखारविंद कहा जाता है सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय सोम महायज्ञ का उद्देश्य है इस यज्ञ को करने से हमारी मानसिक विकृतियों भी दूर होती है। मंत्र की सिद्धि का पूरा प्रभाव होता है। एक भारत देश ही है जो संपूर्ण विश्व में शांति के लिए यज्ञ करता है। मुख्य अत्याचार वैश्णवाचार्य डॉक्टर गोकुल उत्सव जी महाराज ने पूज्य शंकराचार्य ज्ञानानंद जी तीर्थ कथा वाचिका सीता बहन और प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को उपर्णा पहना कर सम्मानित भी किया। आयोजन समिति की ओर से अध्यक्ष प्रहलाद काबरा महामंत्री ब्रजेश जोशी, गौरव अग्रवाल, तथा समिति के सर्वश्री विजय सुराणा के के बाहेती उमेश पारिख, बंटी चौहान, विनय पारिख, राजेंद्र चाष्ट, प्रद्युम्न शर्मा अरुण शर्मा पुष्पेंद्र भावसार, नटवर भाई आदि ने किया।

यज्ञशाला में मनाया गया नंद महोत्सव- महासोमयज्ञ शाला के विधान में चतुर्थ दिवस की रात नंद महोत्सव मनाया जाता है। ठाकुर जी के बाल स्वरूप को पालने में झुलाया गया। नंद महोत्सव मे इ वैष्णव जन बडी संख्या में उपस्थित थे। सभी भक्ति गीत नृत्य करते हुए आनंद में निमग्न हो गए। पूज्य वैष्णवाचार्य डॉ. गोकुलोत्सव जी महाराज व्रजोत्सव जी महाराज और बाबा श्री उमंग राय जी महाराज के सानिध्य में बहुत ही धूमधाम से नंद महोत्सव मनाया गया।

स्कूली बच्चे भी कर रहे हैं यज्ञ दर्शन और परिक्रमा- सॉन्ग महासमुंद यज्ञ आयोजन समिति ने यह भी निर्णय लिया था कि स्कूली बच्चों को बारी-बारी से बुलाकर यज्ञ संस्कृति के दर्शन कराएं इस क्रम में एडीफाई स्कूल एन एस सिंघवी स्कूल उत्कृष्ट विद्यालय सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों ने यज्ञ दर्शन किए और परिक्रमा लगाई। उन्हें यज्ञ की महिमा बताई गई।

आज होगी महासोम यज्ञ की पूर्णाहुति- 13 अप्रैल से आरंभ हुए महासोम यज्ञ की पूर्णाहुति आज 18 अप्रैल शुक्रवार को सायं काल के समय होगी। प्रथम दिन से छठे दिन तक जिन यज्ञार्थियों ने यज्ञ किया है यज्ञ दर्शन और यज्ञ परिक्रमा की है सभी से आयोजन समिति ने आह्वान किया है कि वे 18 अप्रैल को पूर्णाहुति के समय अवश्य उपस्थित रहें।

भाजयुमो ने किया सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पुतला दहन

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तेजस्वी सूर्या, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार एंव भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के निर्देशानुसार भाजपा युवा मोर्चा मंदसौर जिलाध्यक्ष सुनील पटेल श्रीराम के नेतृत्व मे नेशनल हेराल्ड मामले मे कांग्रेस के द्वारा लगातार देश को गुमराह किए जाने के विरोध में आज जिला मुख्यालय स्थित गाँधी चौराहे मंदसौर पर सोनिया गांधी एंव राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की कांग्रेस हमेशा हर बात का विरोध करती है, कांग्रेस ने 370, राम मंदिर, सहित देश हित मे जितने भी क़ानून आ रहे हो उनका विरोध करती आई है।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुनील पटेल श्री राम ने मिडिया को नेशनल हेराल्ड केस के बारे मे अवगत कराते हुए बताया की देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जन सेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र मे काम करने के लिए एक असोसिएस्ट जनर्ल्स लिमिटेड अगङनामक संस्था बानाई थी जिसका उद्देश्य जन सेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र मे कार्य करना था लेकिन यंग इंडिया को गलत तरिके से कार्य करके उसका प्रॉपर्टी हडपने का कार्य किया है ये स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान है और जब ईडी इन्हे समन जारी करती है तो उनकी सहयोग करने के बजाय आयकर विभाग और ईडी के दफ्तरो पर देश भर मे आंदोलन करके दबाव बनाने का कार्य कांग्रेस कर रही है उसके विरोध मे भाजयुमो ने जिला मुख्यालय पर सोनीया गांधी और राहुल गाँधी का पुतला दहन किया। इस अवसर पर पिछडा मोर्चा जिलाध्यक्ष रणजीतसिंह चौहान, युवा मोर्चा पदाधिकारीगण बंशीलाल धनगर, विनीत मुंदडा, महेंद्र परिहार, ईश्वर पाटीदार, वीरेंद्र विश्वकर्मा, दीपक शर्मा, शुभांक माछौपुरीया, भाजपा उत्तर मंडल महामंत्री बंशीलाल राठौर, मण्डल अध्यक्ष जीतू प्रजापति, राहुल पाटीदार, दशरथ जाट, विष्णु कुमावत, रविराज सिंह, धर्मेन्द्र धनगर, विकास राठौर, पिंटू प्रजापति सहित भाजपा युवा मोर्चा मंदसौर जिला पदाधिकारीगण कार्यकर्तागण एंव मंडल पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

दो अफीम तस्करों को 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। श्री जितेन्द्र कुमार बाजोलिया, विशेष न्यायाधीश,

एन.डी.पी.एस. एक्ट, जिला नीमच द्वारा 04 किलो 500 ग्राम अफीम की तस्करी करने वाले दो आरोपीगण (01) भगंराम पिता मोढीराम पाटीदार, निवासी ग्राम गौमाना, थाना छोटी सादडी, जिला प्रतापगढ (राजस्थान) एवं (02) रमेश पिता प्रभुलाल मेघवाल, निवासी जाखमिया, थाना धोलापानी, जिला प्रतापगढ (राजस्थान) को धारा 08/18(बी) एन.डी.पी.एस. एक्ट, 1985 के अंतर्गत 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 1,00,000-1,00,000रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाले एडीपीओं श्री रितेश कुमार सोमपुरा द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 06 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 12.05.2019 को रात्री के लगभग 09:30 बजे नीमच-निम्बाहेडा फोरलेन हाईवे स्थित मालखेडा फण्टे की हैं। नारकोटिक्स सेल इन्दौर, प्रकोष्ठ जिला नीमच में पदस्थ उपनिरीक्षक राउफ़ खान को मुखबीर सूचना प्राप्त हुई कि तीन व्यक्ति मोटरसायकल पर लगभग 4-5 किलो अफीम लेकर जाने वाले हैं जो कि मालखेडा फण्टे पर किसी कार चालक को देंगे। मुखबीर सूचना विश्वसनीय होने से उपनिरीक्षक राउफ़ खान द्वारा फोर्स सहित मालखेडा फण्टे पर नाकेबंदी की गई, तब कुछ समय पश्चात् नीमच सिटी की तरफ से मुखबीर द्वारा बताये हुलिये के तीन व्यक्ति एक मोटरसायकल आते हुवे दिखाई दिये, जिन्हें रोककर तलाशी लिये जाने पर आरोपीगण भगतराम एवं रमेश के बीच में रखी हुई प्लास्टीक की थैली में 4 किलो 500 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम होना पाई गई, जिसे जप्त कर एवं आरोपीगण को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर अभियोग पत्र विशेष न्यायालय, नीमच में प्रस्तुत किया गया। एक अभियुक्त की उम्र 18 वर्ष से कम होने से उसके विरूद्ध बाल न्यायालय में अभियोग-पत्र प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से न्यायालय में जप्तीकर्ता अधिकारी, विवेचक, हमराह फोर्स के सदस्यों सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को संदेह से परे प्रमाणित कराते हुवे आरोपीगण को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपीगण को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी एडीपीओं श्री रितेश कुमार सोमपुरा द्वारा की गई।

क्षिप्रा में खड़े होकर पेंशनरों ने अपनी मांगों को लेकर हनुमान चालीसा का पाठ किया

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। अपनी मांगों को लेकर म.प्र. सरकार के उपेक्षापूर्ण रवैयों पर ध्यानाकर्षण के लिये इंदौर/उज्जैन संभागों के साथ अन्य जिलों से बडी संख्या में पेंशनरों द्वारा क्षिप्रा मैया उज्जैन में खडे होकर हनुमान चालीसा का पाठ कर मांगों का ज्ञापन म.प्र. राज्य एवं विद्युत पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा के आव्हान पर प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्याम जोशी एवं म.प्र. विद्युत मंडल पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति के प्रांतीय पदाधिकारी प्रांतीय अध्यक्ष एस.के. जायसवाल, प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष शेमशेरसिंह तोमर, जिलाध्यक्ष उज्जैन अशोक दुबे, संभागीय अध्यक्ष उज्जैन कोमल भूतडा के नेतृत्व में दिया गया।

ज्ञापन की प्रति माँ क्षिप्रा एवं भगवान महाकाल के साथ ही मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को जिला प्रशासन के माध्यम से भेजी गई। ज्ञापन में प्रमुख मांगों में धारा 49(6) की समाप्ति, विद्युत पेंशनरों की पेंशन गारंटी, 27 माह-32 माह का एरियर भुगतान, जुलाई 19 से महंगाई राहत, अवशेष राशि का भुगतान, जुलाई 24 से 3 प्रतिशत और जनवरी 25 से 2 प्रतिशत महंगाई राहत देने, केन्द्र सरकार के परिपत्र 12.05.2017 का लाभ देकर 65, 70, 75, 80, 85, 90 एवं 100 वर्ष के प्रारंभ से अतिरिक्त पेंशन देने, कम्युटेशन की अवधि 15 वर्ष के स्थान पर 12 वर्ष करने, पेंशनरों को आयुष्मान योजना का लाभ देने, 2016 के पूर्व के पेंशनरों के विसंगति दूर करने आदि कई मांगों का उल्लेख किया गया। इस आंदोलन में मंदसौर जिले से प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सतीश नागर, एम.पी.ई.बी. पेंशनर एसोसिएशन के राधेश्याम गुप्ता, गुलाबचंद कछावा, अमृतराम, राधेश्याम, सत्यनारायण मालवीय, रामचन्द्रपाल एवं अनेक पेंशनरों ने भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शन में आगामी जुलाई माह में संघर्ष समिति द्वारा जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। उक्त जानकारी पेंशनर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सतीश नागर ने दी।

राज्य आनंद संस्थान खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव बढ़ाने के लिए प्रयासरत

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। राज्य आनंद संस्थान जीवन में खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव को बढावा देने के लिए सतत कार्यरत है। आनंद शिविरों के माध्यम से इस दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। आनंद शिविर का आयोजन शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों के लिए किया जाता है। इन शिविरों का उद्देश्य प्रतिभागियों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाना एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य आनंद संस्थान श्री आशीष कुमार ने बताया कि जीवन में 'आनंद' के साथ प्रत्येक कार्य करना चाहिए। विभाग का उद्देश्य आनंद एवं सकुशलता को मापने के पैमानों की पहचान तथा उन्हें परिभाषित करना है। राज्य में आनंद का प्रसार करने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करने का कार्य भी किया जा रहा है। आनंद की अवधारणा का नियोजन नीति निर्धारण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया की मुख्य धारा में लाना, आनंद की अनुभूति के लिये एक्शन प्लॉन एवं गतिविधियों का निर्धारण भी किया जा रहा है। निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मन:स्थिति का आंकलन करना, आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना, आनंद के प्रसार माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना और आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करने का कार्य आनंद विभाग द्वारा किया जा रहा है।

कर्ज माफी योजना से वंचित किसानों को भी सरकार ब्याज माफी योजना में शामिल करें-गुर्जर

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव एवं किसान नेता श्री महेन्द्र सिंह गुर्जर ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मांग की है कि वर्ष 2018- 2019 की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने किसानों की कर्ज माफी योजना के लिए तत्कालीन मध्यप्रदेश सरकार ने कैबिनेट निर्णय लेकर किसानों का कर्ज माफी करने की प्रक्रिया चल रही थी लेकिन अचानक सरकार परिवर्तन होने से प्रदेश के किसान कर्ज माफी योजना से वंचित रह गए थे।

श्री गुर्जर ने कहा कि वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ऐसे समस्त बकायादार किसानों का फसली ऋण का ब्याज माफ करने की घोषणा की थी लेकिन आज तक किसानों को लाभ नही मिला। इस सम्बंध में श्री गुर्जर ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव से अनुरोध किया है कि ऐसे समस्त बकायादार किसानों का ब्याज माफ कर अन्नदाता किसानों को राहत प्रदान करें।

सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग मंदसौर में शुरू हुई...

स्व. अमर सिंह शेखावत प्रथम इंटर स्कूल खेल प्रतियोगिता

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। खेलो को बढावा देने एवं खिलाडियों को प्रोत्साहन करने के उददेश्य से विद्या भारती की योजनानुसार सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग मंदसौर में प्रथम इंटर स्कूल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, बास्केटबॉल एवं खो-खो खेलों में विभिन्न आयु वर्ग में खेल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के कर्नल बिपिन रावत खेल परिसर में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात शानदार मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। विभिन्न स्कूलों की टुकडियों ने बैंड की ताल पर अनुशासित ढंग से मार्च करते हुए अतिथियों को सलामी दी। इसके बाद मशाल रैली (टॉर्च रिले) का आयोजन हुआ, जिसमें खिलाडियों ने खेलों की पवित्रता और उत्साह का प्रतीक खेल मशाल प्रज्वलित कर उसे मुख्य मंच तक पहुँचाया। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री सत्यनारायण लववंशी (खेल संयोजक, मालवा प्रांत और विभाग समन्वयक खंडवा विभाग), विशिष्ट अतिथि प्रो. जे.एस. दूबे (प्राचार्य प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर), अध्यक्ष श्री विजेंद्र देवडा (खेल अधिकारी मंदसौर खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश), भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के सह सचिव एवं सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर एवं सैनिक स्कूल की प्राचार्या डॉ. श्रीमती सरोज प्रसाद, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, उपप्राचार्या सुश्री लक्ष्मी राठौड, खेल प्रमुख आचार्य श्री दिनेश यादव, विद्यालय के आचार्य दीदी एवं शहर के विभिन्न विद्यालयों के खेल शिक्षक एवं प्रतियोगिता के खिलाडी उपस्थित रहे।

दस किसानों से नरवाई जलाने पर 35 हजार अर्थ दंड वसूल किया

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा 1981 की धारा 19 (5) के तहत गेंहू/धान अवशेषों को खेतों मे ही जलाये जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। जो भी व्यक्ति/संस्था यदि ऐसा करते पाए जाते है तो उसे माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा।

अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती शिवानी गर्ग द्वारा सीतामऊक्षेत्र के 10 किसानों से गेहूं फसल की खेतों में नरवाई/ पराली जलाने पर 35 हजार रुपए अर्थ दंड वसूल किया गया। जिसमें निवासी दीपाखेडा के श्याम दास पर 5 हजार रुपए, निवासी ढिकनिया के नरसिंह पर 2500 रू, निवासी बैलारा के कृष्णपाल सिंह एवं भेरूलाल पर 2500-2500 रू, निवासी अजयपुर के अंदरबाई पर 7500 रु., निवासी लदूना के मदनलाल पर 2500 रु., निवासी सांसरी पिपल्या के मांगुसिंह पर 2500 रु., निवासी खजुरीगोड के विनोद एवं शंभु सिंह पर 2500-2500 रु. एवं निवासी गुराडिया गोड के पप्पुसिंह पर 2500 रु. की राशि पर आर्थिक दण्ड अधिरोपित की गई।

वक्फ बिल पास होने पर जनप्रतिनिधियों का किया सम्मान

मंदसौर, 17 अप्रेल गुरु एक्सप्रेस। मुस्लिम समाज में फैली अशिक्षा-निर्धनता को ध्यान में रखते हुए वक्फ सम्पत्तियों का मुस्लिम समाज एवं देश हितार्थ भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अरबों रुपए की सम्पत्ति धारण किए वक्फ बोर्ड के सुचारू संचालन एवं प्रबंधन के लिए लाए गए वक्फ अमेंडमेंट बिल को लोकसभा-राज्यसभा में पास करवा कर क़ानून का रुप दिलवाने पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जिला वक़्फ़ कमेटी मंदसौर के जिला अध्यक्ष श्री अमजद पठान एवं जिला उपाध्यक्ष श्री शाकिर हुसैन गढवी के नेतृत्व में धन्यवाद ज्ञापित कर मंदसौर में लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित के निवास पर पहुंच कर पुष्प मालाएं पहनाकर-मिठाईयां खिलाकर स्वागत सम्मान करते हुए उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया एवं खुशी जाहिर दी।

इस अवसर पर जिला वक़्फ़ कमेटी मंदसौर के श्री हारून लाला, श्री हारून क़ुरेशी, श्री फ़ाज़िल हयात, श्री अज़ीज़ुल्लाह ख़ान ख़ालिद एडवोकेट, श्री अफ़सर पठान व समाजसेवी श्री रईस लाला, श्री ज़ुल्फ़िकार अली शाह, श्री सलीम रेडीमेड, श्री शाहिद निज़ामी, श्री यूनुस मेव ने भी जनप्रतिनिधिगण को पुष्प मालाएं पहनाकर उनका धन्यवाद सहित आभार व्यक्त किया।

❊ उठावना ❊

हमारे जमाईसाहब, ओमप्रकाश, दीपक, जयप्रकाश के जीजाजी एवं विरल, हार्दिक व प्रतीक के फोफ़ाजी श्री सुरेशजी नागर, खाचरोद (भालोट वाले) का निधन हो गया है। उठावना 18 अप्रैल 2025 को प्रात: 9 बजे हमारे निवास स्थान वार्ड 14 पर रखा गया है।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
बद्रीलाल व रमेशचंद्र तेलकार, कसोदनिया परिवार
पिपलियामंडी
फर्म-रमेश जनरल स्टोर्स, तेलकार न्यूज एजेंसी

संपदा 2.0 भी निकल रहा... पेज 1 से जारी

में कुछ जगहों पर सर्विस प्रोपाइडरों ने हड़ताल की थी। इस दौरान धरना भी दिया था। तब व्यवस्था में सुधार की बात कही गई थी। इससे हड़ताल समाप्त कर दी थी। लेकिन, सर्विस प्रोवाइडरों ने बताया की संपदा 2.0 लागू होने के दौरान दावा किया था कि यह संपदा 1.0 से अपग्रेड है। अपग्रेड होना तो दूर रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुक करने में ही समस्या आ रही है। सर्वर डाउन रहने से रजिस्ट्री एक से डेढ घंटे में बुक हो रही है। क्रेता और विक्रेताओं को इंतजार करना पड रहा है। कई बार ओटीपी की भी समस्या आ रही है। ओटीपी नहीं आने से भी रजिस्ट्री के लिए स्लॉट बुक नहीं हो पा रहा। पिछले दो से तीन दिन से यह समस्या बढ गई है। डेढ महीने से ज्यादा हो गए सुधार नहीं हो पा रहा है। इससे संपदा 2.0 और हड़ताल के बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। बावजूद कोई ध्यान देने को तैयार नहीं है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in